शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

बुधवार 27 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in | वर्ष : 11 | अंक : 25 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

कर्नाटक के बेलगावी में बाइक और रिक्शा की टक्कर

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेलगावी में मंगलवार को सड़क हादसे में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 9 महीने का बच्चा भी शामिल है। टक्कर बाइक और मिनी गुड्स रिक्शा के बीच हुई। घटना में एक बच्चा घायल हुआ है। पुलिस ने बताया कि हादसा रायबाग रेलवे स्टेशन रोड के पास हुआ।

मीरवाइज उमर फारूक ने हाउस अरेस्ट का दावा किया

श्रीनगर। कश्मीर के प्रमुख धार्मिक नेता मीरवाइज उमर फारूक ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें हाउस अरेस्ट कर दिया गया। उनका कहना है कि प्रशासन ने उन्हें बडगाम के पीड़ित परिवार से मिलने की इजाजत नहीं दी, जिनकी 12 साल की बेटी की रेप के बाद हत्या की गई थी। पीटीआई के मुताबिक, फारूक ने कहा कि वह बडगाम जाकर पीड़ित परिवार से मिलना चाहते हैं। उनकी हर यात्रा के लिए पहले से प्रशासन की अनुमति जरूरी होती है, लेकिन इस बार उन्हें इजाजत नहीं दी गई।

हाईकोर्ट ने सांसद शेख अब्दुल राशिद को अंतरिम जमानत दी

नईदिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को बारामूला सांसद शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद को अंतरिम जमानत दी। राशिद को यह राहत 25 जून से 30 जून तक पिता के निधन के बाद होने वाली रस्मों में शामिल होने के लिए दी गई है। 18 मई को पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए दी गई अंतरिम जमानत 2 जून को समाप्त होने पर राशिद को आत्मसमर्पण करना होगा। इसके बाद वे 25 जून से 30 जून तक दोबारा रिहा हो सकेंगे। 18 मई को हाईकोर्ट ने राशिद को अंतरिम जमानत देते हुए कई शर्तें लगाई थीं। अदालत ने कहा था कि यात्रा के दौरान उनके साथ सादे कपड़ों में कम से कम दो पुलिसकर्मी रहेंगे। उन्हें केवल कब्रिस्तान या धार्मिक स्थल जाने की अनुमति होगी और वह अपने घर के अलावा कहीं और नहीं जा सकेंगे। ये सभी शर्तें अंतरिम जमानत अवधि के दौरान लागू रहेंगी।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

मोहन सरकार फिर ले रही 2800 करोड़ का कर्ज

आरबीआई के ई-कुबेर प्लेटफॉर्म से सिक्योरिटी की नीलामी, चालू वित्त वर्ष में कर्ज हुआ 9200 करोड़

राष्ट्रबाण | भोपाल | एजेंसी | rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार मई के आखिरी सप्ताह में एक बार फिर बड़ा कर्ज लेने जा रही है। राज्य सरकार भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से 2800 करोड़ रुपए का कर्ज दो अलग-अलग किस्तों में उठा रही है।

इसमें 1600 करोड़ रुपए और 1200 करोड़ रुपए की राशि शामिल है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में यह चौथी बार है जब सरकार बाजार से कर्ज ले रही है। इसके साथ ही इस वित्त वर्ष में अब तक लिए गए कुल कर्ज का आंकड़ा 9200 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार राज्य सरकार यह कर्ज मध्यप्रदेश राज्य विकास ऋण के तहत आरबीआई के जरिए बॉन्ड जारी कर ले रही है। पहली राशि 1600 करोड़ रुपए की होगी, जिस पर 7.64 प्रतिशत ब्याज दर तय की गई है। वहीं दूसरी राशि 1200 करोड़ रुपए की होगी, जिस पर 7.83 प्रतिशत ब्याज देना होगा। दोनों कर्जों की अदायगी सरकार छह माही किस्तों में अप्रैल और अक्टूबर में करेगी।

इस बार अप्रैल से ही कर्ज लेने लगी सरकार

प्रदेश सरकार ने इस वित्त वर्ष में अप्रैल से ही कर्ज लेना शुरू कर दिया था। इससे पहले के वर्षों में आमतौर पर मई से कर्ज उठाने की प्रक्रिया शुरू होती थी। अप्रैल में सरकार ने दो बार चार किस्तों में 4600 करोड़ रुपए का ऋण लिया था। इसके बाद मई में पहले 1800 करोड़ रुपए का कर्ज लिया गया और अब 2800 करोड़ रुपए का नया ऋण उठाया जा रहा है।

2034 और 2048 तक के लिए कर्ज

सरकार द्वारा लिया जा रहा पहला कर्ज वर्ष 2034 तक की अवधि के लिए रहेगा, जबकि दूसरा कर्ज 2048 तक यानी 22 वर्षों की अवधि के लिए लिया गया है। दोनों ऋणों के लिए सिक्योरिटी की नीलामी आरबीआई द्वारा कराई जाएगी और भुगतान प्रक्रिया 27 मई 2026 तक पूरी की जाएगी।

उत्पादक विकास योजनाओं में खर्च होगी राशि

सरकार का कहना है कि बॉन्ड से प्राप्त राशि का उपयोग राज्य की उत्पादक विकास योजनाओं, सिंचाई परियोजनाओं, ऊर्जा, कृषि और आधारभूत संरचना से जुड़े कार्यों में किया जाएगा। राजपत्र में जारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमान में मध्यप्रदेश की राजस्व प्राप्ति लगभग 2.79 लाख करोड़ रुपए और राजस्व व्यय भी लगभग 2.79 लाख करोड़ रुपए आंका गया है।

दावा- ईरान ने अमेरिका का एमक्यू-9 रीपर ड्रोन गिराया

अमेरिका का होर्मुज के पास ईरानी बोट्स पर हमला, मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया

राष्ट्रबाण | तेल अवीव | एजेंसी | rashtrabaan.in

ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी एमक्यू-9 बी ड्रोन को मार गिराया है और ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसे एक लड़ाकू विमान पर भी फायरिंग की है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी ने कहा कि ईरानी फोर्स ने एक आरक्यू-4 ड्रोन और घुसपैठ करने वाले एफ-35 लड़ाकू विमान पर कार्रवाई की।

आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका युद्धविराम का उल्लंघन करता है तो ईरान को जवाबी कार्रवाई करने का हक है। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने भी बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया की ताकतें अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों के लिए ढाल नहीं बनेंगी और अमेरिका के पास इस क्षेत्र में अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं रहेगा।

इससे पहले अमेरिका ने दक्षिणी ईरान में रातभर कई ठिकानों पर हमले किए। अमेरिकी सेना ने कहा कि उन्होंने उन नौकाओं को निशाना बनाया गया जो समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश कर रही थीं। इसके अलावा मिसाइल लॉन्च साइट्स पर भी हमला किया गया। ईरान ने अमेरिका पर संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि होर्मोजगन प्रांत में अमेरिका की आक्रामक कार्रवाई अमेरिका की 'दुर्भावना और पाखंड' को दिखाती है।

ईरान ने अमेरिका से 24 अरब डॉलर की रकम रिलीज करने की मांग की

ईरान ने अमेरिका के साथ संभावित समझौते में 24 अरब डॉलर की जमी हुई रकम जारी करने की मांग रखी है। ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम के मुताबिक ईरान की वार्ता टीम से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि तेहरान चाहता है कि स्व्ह पर दस्तखत होते ही 12 अरब डॉलर जारी किए जाएं। बाकी 12 अरब डॉलर अगले 60 दिनों के भीतर दिए जाएं। रिपोर्ट के अनुसार ईरान के शीर्ष वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालीबाफ इसी मांग को लागू करने के तरीके पर सहमति बनाने के लिए कतर गए हैं।

ईरान ने इजराइल से जासूसी के आरोप में शख्स को फांसी दी

ईरान ने मंगलवार को एक व्यक्ति को इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में फांसी दे दी। ईरानी सरकारी एजेंसी तस्नीम न्यूज के मुताबिक उस व्यक्ति का नाम गुलामरेजा खानी शेकराब था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की सुप्रीम कोर्ट ने पहले उसकी मौत की सजा को बरकरार रखा और इसके कुछ घंटों बाद ही फांसी दे दी गई। ईरान ने उस पर इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी करने और संवेदनशील जानकारी देने का आरोप लगाया था। हालांकि ईरानी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से यह नहीं बताया कि उसने कौन सी जानकारी साझा की थी। हाल के महीनों में ईरान ने इजराइल के लिए कथित जासूसी के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार और फांसी दी है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब ईरान और इजराइल के बीच तनाव लगातार बढ़ा हुआ है।

अमेरिका, ईरान और इजराइल के हालिया बयान

अमेरिका : डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि बातचीत अच्छी तरह आगे बढ़ रही है, लेकिन अगर समझौता नहीं हुआ तो सैन्य कार्रवाई फिर शुरू हो सकती है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान के साथ समझौते की बातचीत कुछ शब्दों और वाक्यों को लेकर अटकी हुई है।

ईरान : ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि कई मुद्दों पर अमेरिका के साथ कुछ हद तक समझ बनी है, लेकिन अभी अंतिम समझौता करीब नहीं है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के नए प्रमुख मोहम्मद बाघेर जोलदघर ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के खिलाफ लड़ाई में कोई पीछे हटने वाला नहीं है।

इजराइल : इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल हमले और तेज करेगा और ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह पर दबाव बढ़ाएगा।

बांग्लादेशियों यहां से जल्दी भागो : सीएम शुभेंदु

घुसपैठियों को जेल नहीं भेजेंगे, वो दामाद नहीं जो बिठाकर खिलाएं ; बॉर्डर पर जुटने लगे बांग्लादेशी

राष्ट्रबाण | मुर्शिदाबाद | एजेंसी | rashtrabaan.in

बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को बांग्लादेशियों को देश छोड़कर जाने को कहा। वे बोले- राज्य में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें पुलिस को सौंपा जाए, जिसके बाद बीएसएफ उनकी वापसी में मदद करेगा। उन्होंने कहा- जल्दी-जल्दी भागो यहां से, वरना एक्शन लेंगे। हम घुसपैठियों को जेल भेजकर रोटी नहीं खिलाएंगे। वह दामाद नहीं है। उन्हें भगाया जाएगा। उनके (बांग्लादेश के) ऑफिशियल्स भी कह चुके हैं कि जो हमारे लोग होंगे, उन्हें ले लेंगे। इधर, पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना में मंगलवार सुबह से ही 100 से ज्यादा विदेशी नागरिक हाकिमपुर चेक पोस्ट पर इकट्ठा हुए हैं। दावा है कि यह लोग पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में अवैध तरीके से रह रहे थे और अब बांग्लादेश लौटने के लिए बॉर्डर पर पहुंच रहे हैं।

होल्डिंग सेंटर में 30 दिन तक रखें जा सकेंगे संदिग्ध विदेशी

एक दिन पहले ही सरकार ने 'डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट' पॉलिसी को लागू करने की दिशा में सभी जिलों को संदिग्ध विदेशी नागरिकों और डिपोर्टेशन का इंतजार कर रहे घुसपैठियों के लिए होल्डिंग सेंटर बनाने का आदेश दिया था। 23 मई को जारी आदेश में जिला प्रशासन से कहा गया है कि ऐसे सेंटर बनाए जाएं, जहां पकड़े गए संदिग्ध विदेशियों को रखा जा सके। संदिग्ध विदेशियों को ऐसे सेंटर में अधिकतम 30 दिन तक रखा जा सकेगा। इस दौरान उनके दस्तावेज, पहचान और नागरिकता की जांच होगी।

जनसंख्या में जहां अचानक बदलाव आया, वहां की जांच होगी : केंद्र सरकार ने कमेटी बनाई

गृह मंत्री शाह बोले- घुसपैठ देश के लिए बड़ी चुनौती

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

केंद्र सरकार ने देश की आबादी में हो रहे असामान्य बदलाव की स्टडी के हाई-लेवल कमिटी का गठन किया है। जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (रिटा) को इसका अध्यक्ष बनाया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ङ्क्ष पोस्ट में कहा- यह कमिटी अवैध घुसपैठ और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या में बदलाव का आकलन करेगी। साथ ही धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य बदलाव के पैटर्न की स्टडी करके समाधान भी पेश करेगी। उन्होंने लिखा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से होने वाला असामान्य जनसंख्या बदलाव किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है।

कमेटी क्या काम करेगी...

कमिटी अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या बदलाव का कारण जानेगी।

धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के पैटर्न का अनालिसिस करके समाधान भी पेश करेगी।

पाकिस्तान बोला- इजराइल को देश नहीं मानेंगे

विचारधारा से समझौता मंजूर नहीं, ट्रम्प ने मुस्लिम देशों से कहा था- इजराइल से दोस्ती करें

राष्ट्रबाण | इस्लामाबाद | एजेंसी | rashtrabaan.in

पाकिस्तान ने इजराइल से दोस्ती करने और उसे देश की मान्यता देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान अपनी मौलिक विचारधाराओं से समझौता नहीं कर सकता। आसिफ ने कहा हम उन लोगों के साथ कैसे बैठ सकते हैं जिनकी बात पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान दुनिया का शायद इकलौता देश है, जिसके पासपोर्ट पर लिखा होता है कि यह इजराइल के लिए मान्य नहीं है। इससे पाकिस्तान का रुख पूरी तरह साफ है और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मुस्लिम देशों से इजराइल से रिश्ते सुधारने और अब्राहम समझौते में शामिल होने की अपील की थी। पाकिस्तान से भी कहा गया था कि अगर वह अमेरिका-ईरान शांति प्रक्रिया का हिस्सा बनना चाहता है, तो उसे इजराइल को मान्यता देनी होगी।

पाकिस्तान के लिए अब्राहम समझौते में शामिल होना मुश्किल

पाकिस्तान के लिए अब्राहम समझौते में शामिल होने का मामला संवेदनशील है और राजनीतिक रूप से मुश्किल है। पाकिस्तान लंबे समय से खुद को फिलिस्तीन के समर्थक देश के तौर पर पेश करता रहा है। वहां आम जनता के बीच फिलिस्तीन का मुद्दा भावनात्मक और धार्मिक दोनों स्तर पर बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है।

एक्सप्रेस-वे पर एसी बस पलटी, दरोगा समेत 7 की मौत : खिड़कियों से गिरे लोग

25 घायल, एक का पैर कटकर अलग

राष्ट्रबाण | उन्नाव | एजेंसी | rashtrabaan.in

उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर एसी बस मंगलवार सुबह करीब 5 बजे अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दरोगा-कैदी समेत 7 यात्रियों की मौत हो गई। 3 पुलिसकर्मी समेत 25 लोग घायल हैं। दिल्ली से बिहार जा रही बस में 36 यात्री सवार थे।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस तेज रफ्तार में थी। अचानक ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया। बस डिवाइडर से टकराकर किनारे लगी रेलिंग पर लटक गई। इससे कई यात्री बस की खिड़कियों से एक्सप्रेस-वे के नीचे गिर गए। एक का पैर कटकर अलग हो गया। हादसा औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 262 के पास हुआ। मृतकों में बिहार के सीवान पुलिस लाइन में तैनात दरोगा रामचंद्र राम (59) और गुरुग्राम निवासी कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर (59) भी शामिल हैं।

एंबुलेंस से 27 घायलों को अस्पताल पहुंचाया

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। एक्सप्रेस-वे के बगल में ढलान वाली जगह पर घायल तड़पते रहे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। 6-7 एंबुलेंस की मदद से 32 घायलों को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। फर्श पर खून ही खून फैल गया। घायल दर्द से कराहते रहे।

बिना नंबर के वाहनों से रेत ढोने पर एमपी सरकार से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट की चंबल में अवैध रेत खनन पर फटकार

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मुरैना राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य (एनसीजीएस) में जारी अवैध रेत खनन को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लिया, जिसमें मुरैना जिले में बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों से रेत ढोने की बात सामने आई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मंगलवार को मध्यप्रदेश सरकार से पूछा कि क्या उसने यह रिपोर्ट देखी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के पहले के सख्त आदेशों के बावजूद चंबल क्षेत्र में अवैध खनन जारी है और बिना नंबर वाले वाहन खुलेआम रेत परिवहन कर रहे हैं।

राजस्थान सरकार पर टिप्पणी

कोर्ट ने कहा कि राजस्थान में अनुपालन की स्थिति बेहद खराब है। कई महत्वपूर्ण कदम 18 से 36 महीने बाद पूरे होने वाले हैं, जो स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्वीकार्य नहीं। कोर्ट ने प्रशासनिक आलस्य और लापरवाही पर गहरी चिंता जताई।

मध्य प्रदेश पर टिप्पणी

कोर्ट ने मप्र की कार्रवाई को अपर्याप्त बताया। अनरजिस्टर्ड और बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर केवल चालान काटना और छोटा जुर्माना वसूलना पर्याप्त नहीं। कोर्ट ने कहा कि ऐसे वाहनों की जब्ती, मालिकों के खिलाफ मुकदमा और किंगपिन्स तक पहुंचना जरूरी है, अन्यथा अवैध खनन जारी रहेगा।

कोर्ट ने 20 मई को रिजर्व रखे गए मामले में आज विस्तृत फैसला सुनाया। कोर्ट ने तीनों राज्यों (राजस्थान, मप्र और यूपी) को नई सख्त दिशा-निर्देश दिए और कहा कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों की सुरक्षा अब और टाल-मटोल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोर्ट ने मामले को आगे भी निगरानी में रखा है और राज्यों से नए कॉम्पलायंस एफिडिवेट मांगे हैं।

सुनवाई के दौरान जस्टिस मेहता ने कहा कि कोर्ट की सख्ती के बाद अवैध खनन करने वालों ने अपने रास्ते बदल लिए हैं, लेकिन गतिविधियां अब भी जारी हैं। इस पर मध्यप्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि यदि रिपोर्ट सही है तो यह 'चौंकाने वाला' है।

अनरजिस्टर्ड वाहनों पर चिंता: कोर्ट ने कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों का खुलेआम चलना अवैध खनन को बढ़ावा दे रहा है।

पशुओं के लिए 'सम्पूर्ण आहार' पद्धति

हाल ही में 'संपूर्ण आहार' पद्धति उपयोग में लायी जा रही है जिसमें फैक्ट्रियों से निकलने वाले अवशेष का उचित उपचार करके पशुओ को खिलाया जा सकता है। इस संपूर्ण आहार पद्धति का मूल सिद्धांत यह है कि पशुओ को दाना एवं चारे के साथ अन्य पोषक तत्वों को मिलाकर श्रम की भी बचत कर सकते हैं जिनका उपयोग हम कार्यों में ले सकते हैं।

राशन के अवयवों के अनुपात को नियंत्रित करना

सम्पूर्ण आहार के रूप में कम गुणवत्ता वाले चारे एवं दाने के अवशेषों को भी उपयोग किया जा सकता है। संपूर्ण आहार बनाने के लिए खाद्य पदार्थों को प्रकमण करके उसकी गुणवत्ता भी बढ़ायी जा सकती है। इससे खाद्य पदार्थों के कण का आकार भी कम हो जाता, जिससे इनका पाचन बढ़ जाता है। संपूर्ण आहार से न केवल पोषक तत्वों की उपयोगिता बढ़ जाती है, बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ जाती है। अतः इससे कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाला राशन बनाया जा सकता है। जिससे अंततः दुग्ध उत्पादन बढ़ता है।

सम्पूर्ण आहार के रूप में खाद्य पदार्थ पशुओं के लिए उपलब्ध रहते हैं। यशेच्छ आहार के रूप में पशु को खिलाने से वे अपनी इच्छानुसार खाते हैं, जिससे खाद्य पदार्थ व्यय या बरबाद हो जाते हैं। इससे पशुओं को पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

संपूर्ण आहार के रूप में पशुओं को खिलाने से रुमेन पर भार कम पड़ता है जिसके एसिटिक, प्रोपियोनिक एसिड का अनुपात नियंत्रित रहता है, जिससे दूध में वसा की मात्रा बढ़ जाती है। खेती के दौरान अनाजों से बचने वाले अवशेषों की घनत्व 30–50 कि.ग्रा./मीटर^3 होती है तथा सम्पूर्ण आहार के एक ब्लॉक का घनत्व 360–650 कि.ग्रा./मी.^{3} होती है। सम्पूर्ण आहार को ब्लॉक या पैलेट के रूप में बनाया जा सकता है, जिससे इनका आवागमन आसानी से हो जाता है।

सम्पूर्ण आहार पद्धति के लाभ

सम्पूर्ण आहार में 60 प्रतिशत मिश्रित चारा होता है जिसमें 35 प्रतिशत गेहूं का भूसा + 15 प्रतिशत बरसीम हे होता है। कुछ प्रयोगों में यह पाया गया है कि बछड़ों को संपूर्ण आहार खिलाने से उनकी वृद्धि दर 450 – 970 ग्राम प्रतिदिन तक हो सकती है। भूसे को यूरिया से उपचारित करके संपूर्ण आहार के रूप में खली के साथ खिलाया जा सकता है। ऐसे सम्पूर्ण आहार 4–8 लीटर दूध प्रतिदिन देने वाली गायों एवं भैंसों के लिए उपर्युक्त है।

सम्पूर्ण आहार पद्धति की सीमाएं

कुछ पशुपालकों द्वारा यह पाया गया कि ज्यादा दिनों तक पशुओं को संपूर्ण आहार खिलाने से पाचन क्रिया में बाधा एवं जोड़ों से संबंधित रोग उत्पन्न होने लगते हैं। ये समस्याएं कम गुणवत्ता वाले चारे खिलाने या फिर ज्यादा पिसे हुए दाने खिलाने के कारण हो सकती है। गर्भावस्था के दौरान पशुओं में पोषक तत्वों की आवश्यकता बहुत ज्यादा होती है जिनकी कमी को संपूर्ण आहार के द्वारा भी पूरा नहीं किया जा सकता है।

उन्नत किस्में

पूसा ए-4
- यह भिंडी की एक उन्नत किस्म है।
- यह प्रजाति 1995 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा निकाली गई हैं।
- यह एफिड तथा जैसिड के प्रति सहनशील हैं।
- यह पीतरोग यैलो वेन मोजैक विषाणु रोधी है।
- फल मध्यम आकार के गहरे, कम लस वाले, 12.15 सेमी लंबे तथा आकर्षक होते हैं।
- बोने के लगभग 15 दिन बाद से फल आना शुरू हो जाते है तथा पहली तुड़ाई 45 दिनों बाद शुरू हो जाती हैं।
- इसकी औसत पैदावार ग्रीष्म में 10 टन व खरीफ में 15 टन प्रति हे. है।

परभनी क्रांति

- यह किस्म पीत रोगरोधी है।
- यह प्रजाति 1985 में मराठवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, परभनी द्वारा निकाली गई हैं।
- फल बुआई के लगभग 50 दिन बाद आना शुरू हो जाते है।
- फल गहरे हरे एवं 15.18 सेमी. लम्बे होते हैं।
- इसकी पैदावार 9.12 टन प्रति हे. है।

पंजाब-7

- यह किस्म भी पीतरोग रोधी है। यह प्रजाति पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा निकाली गई हैं। फल हरे एवं मध्यम आकार के होते हैं। बुआई के लगभग 55 दिन बाद फल आने शुरू हो जाते है। इसकी पैदावार 8.12 टन प्रति हे. है।

अर्का अभय :

- यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई हैं।
- यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।
- इसके पौधे ऊँचे 120.150 सेमी सीधे तथा अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

अर्का अनामिका :

- यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई हैं।
- यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।
- इसके पौधे ऊँचे 120.150 सेमी सीधे व अच्छी शाखा युक्त होते हैं।
- फल रोमरहित मुलायम गहरे हरे तथा 5.6 धारियों वाले होते हैं।
- फलों का डंठल लम्बा होने के कारण तोड़ने में सुविधा होती हैं।
- यह प्रजाति दोनों ऋतुओं में उगाई जा सकती हैं।
- पैदावार 12.15 टन प्रति हे. हो जाती हैं।

वर्षा उपहार:

- यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई हैं।
- यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।
- पौधे मध्यम ऊँचाई 90.120 सेमी तथा इंटरनोड पास पास होते हैं।
- पौधे में 2–3 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं।
- पत्तियों का रंग गहरा हरा, निचली पत्तियां चौड़ी व छोटे छोटे लोब्स वाली एवं ऊपरी पत्तियां बडे लोब्स वाली होती हैं।
- वर्षा ऋतु में 40 दिनों में फूल निकलना शुरू हो जाते हैं व फल 7 दिनों बाद तोड़े जा सकते हैं।
- फल चौथी पांचवी गठियों से पैदा होते हैं। औसत पैदावार 9.10 टन प्रति हे. होती हैं।
- इसकी खेती ग्रीष्म ऋतु में भी कर सकते हैं।

हिसार उन्नत

- यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई हैं।
- पौधे मध्यम ऊँचाई 90.120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं।
- पौधे में 3–4 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं। पत्तियों का रंग हरा होता हैं।
- पहली तुड़ाई 46–47 दिनों बाद शुरू हो जाती हैं।
- औसत पैदावार 12–13 टन प्रति हे. होती हैं।
- फल 15.16 से.मी. लम्बे हरे तथा आकर्षक होते हैं।
- यह प्रजाति वर्षा तथा गर्मियों दोनों समय में उगाई जाती हैं।

वी.आरओ-6

- इस किस्म को काशी प्रगति के नाम से भी जाना जाता है।
- यह प्रजाति भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा 2003 में निकाली गई हैं।
- यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।
- पौधे की औसतन ऊँचाई वर्षा ऋतु में 175 सेमी तथा गर्मी में 130 सेमी होती है।
- इंटरनोड पास-पास होते हैं।
- औसतन 38 वें दिन फूल निकलना शुरू हो जाते हैं ।
- गर्मी में इसकी औसत पैदावार 13.5 टन एवं बरसात में 18.0 टन प्रति हे. तक ली जा सकती है।

देशी परंपरागत ड्रिप सिंचाई अपनाएं

सिंचाई की अलग-अलग अपनायी जाने वाली विधियों में से घड़ा सिंचाई प्रणाली एक बहुत ही सस्ती और सरल विधि है। यह प्रणाली शुष्क और पानी की अत्यधिक कमी वाले क्षेत्रों के लिए बहुत ही लाभदायक हैं। इस प्रणाली से फलदार और वानिकी पौधों को आसानी से स्थापित किया जा सकता है। इस प्रणाली से सब्जियों की भी खेती की जा सकती हैं। यह प्रणाली ड्रिप सिंचाई प्रणाली का एक बेहतर विकल्प है। निम्नलिखित दशाओं में इस विधि को सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है।

- जहॉ पानी की अत्यधिक कमी हो या पानी अत्यधिक मंहगा हो।
- उबड़ खाबड़ भूमियों में जहां भूमि को समतल करना कठिन हो।
- जहां जल लवणयुक्त है जिसके कारण इसे साधारणतया सतही सिंचाई प्रणाली के उपयोग में नहीं लाया जा सकता हो।

कार्यविधि: इस विधि में मिट्टी के पके हुए घड़े को जमीन में गर्दन तक दबा दिया जाता हैं। जब घड़ों में पानी भरा जाता है तो पानी घड़े की दीवारों के सूक्ष्म छिद्रों से पानी निकलकर आसपास की मृदा को तर करता है। यह पानी पौधों की आवश्यक वृद्धि के लिए उत्तम नमी बनाए रखता है। घड़े में पानी की कमी को एक निश्चित अंतराल पर पानी डालकर पूरा कर दिया जाता है। इस प्रकार मृदा में लगातार नमी की पूर्ति होती रहती है।

घड़े की विशेषताएं:
- घड़ा छिद्रयुक्त हो।
- ज्यादा चमकीला नहीं हो।
- घड़ा करीब 7–10 लीटर क्षमता का हो। लेकिन पौधे और फसल के अनुसार बड़ा भी लिया जा सकता है।
- पानी:– घड़े में साफ पानी ही भरें क्योंकि गंदे पानी भरने से घड़े के छिद्र बन्द हो जाते हैं। प्रति घड़ा पानी की आवश्यक मात्रा जलवायु पर मुख्यतया निर्भर करती है। निम्न वाष्पीकरण की दशा में 1–1.5 लीटर पानी प्रतिदिन जबकि उच्च वाष्पीकरण की दशा में 2–2.5 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।

लाभ:
- देशी सिंचाई प्रणाली की तुलना में 60 – 90 प्रतिशत से अधिक पानी की बचत
- सस्ती व उपयोग में सरल।
- पर्यावरण पर कोई प्रभाव नहीं।
- खरपतवार का नियंत्रण ।
- सतही वाष्पीकरण कम होता है।
- गहराई में पानी का रिसाव नहीं होता है जबकि सतही सिंचाई में करीब 50 प्रतिशत पानी गहराई में रिसकर नष्ट हो जाता है।
- भूमि क्षरण में कमी।
- कृषि यंत्रों का कम प्रयोग।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 27 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

बालाघाट कांग्रेस में महाविस्फोट : कांग्रेस संगठन बना 'चंद लोगों की निजी जागीर'?

बालाघाट कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक पर गंभीर आरोप, कार्यकर्ताओं में उबाल

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

अनुभा मुंजारे, विधायक।

कांग्रेस पार्टी को जमीन से जोड़ने वाले कार्यकर्ता वर्तमान में खुद को बालाघाट कांग्रेस संगठन में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उईके और बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे पर अब कार्यकर्ता खुलेआम यह आरोप लगा रहे हैं कि बालाघाट का पूरा कांग्रेस संगठन नेताओं के कुछ खास लोगों के इर्द-गिर्द सीमित होकर रह गया है। जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी में कई वर्षों तक मेहनत करने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर केवल विधायक समर्थकों और करीबी लोगों को ही बालाघाट में लगातार पदों से नवाजा जा रहा है। ताजा मामला विधायक प्रतिनिधि निर्मल कालू सोनी को व्यापारी प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष बनाए जाने का है, जिसके बाद संगठन के भीतर कार्यकर्ताओं में नाराजगी खुलकर सामने आने लगी है।

पूर्व युवा कांग्रेस जिला सचिव ने उपेक्षित करने का लगाया आरोप...

चंद कार्यकर्ताओ से घिरी विधायक अनुभा का कार्यकर्ताओ में विरोध।

कार्यकर्ताओं का आरोप है कि आखिर ऐसा क्या कारण है कि हर महत्वपूर्ण पद उन्हीं लोगों को दिया जा रहा है जो पहले से किसी न किसी कुर्सी पर बैठे हैं? क्या कांग्रेस में योग्य और मेहनती कार्यकर्ताओं की कमी हो गई है? बताया जाता है कि शहर और जिले में लंबे समय से पार्टी के लिए संघर्ष करने वाले सुरेश बागरेचा, सुरेश मालवंदानी, रवि सचदेवा, अनिल कसर, राजू बॉस विजय अग्रवाल धर्मेंद्र बोपचे,संतोष बाहेश्वर और राकेश रामटेक जैसे अनेक कार्यकर्ता आज भी संगठन में सम्मानजनक जिम्मेदारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जबकि 15 वर्षों से निरंतर कांग्रेस के लिए जी जान से तत्पर रहकर कार्य कर रहे है,लेकिन उनकी जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उईके एवं अन्य नेता अनदेखी कर लगातार उपेक्षा कर रहे है।

जनता द्वारा नकारे गए चेहरे पर कांग्रेस का भरोसा कितना सही?

कांग्रेस के अंदर अब यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि जिन नेताओं को जनता कई चुनावों में नकार चुकी है, उन्हें बार-बार संगठन में बैठाकर आखिर किस राजनीति को साधा जा रहा है? कार्यकर्ताओं का कहना है कि लगातार चुनाव हारने वाले चेहरों को आगे बढ़ाना इस बात का संकेत है कि संगठन में जनाधार नहीं बल्कि 'निजी नजदीकी' को प्राथमिकता दी जा रही है। आम कांग्रेसियों का साफ कहना है कि यदि जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष और विधायक इसी प्रकार संगठन को कुछ लोगों तक सीमित रखेंगे, तो आने वाले समय में कांग्रेस का जमीनी ढांचा पूरी तरह कमजोर हो जाएगा। कार्यकर्ताओं का मनोबल टूट रहा है और पार्टी के भीतर असंतोष अब खुलकर सड़कों तक पहुंचने लगा है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि समय रहते कांग्रेस नेतृत्व ने संगठन में संतुलन और सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की पहल नहीं की, तो बालाघाट में कांग्रेस के सामने भविष्य में बड़ा संगठनात्मक संकट खड़ा हो सकता है। राष्ट्रबाण ने इस पूरे गंभीर विवाद और कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में जब कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनसे संपर्क स्थापित नहीं हो पाया।

संजय उइके, जिलाध्यक्ष कांग्रेस एवं विधायक : बिखरती कांग्रेस को एक सूत्र में कैसे पिरोयंगे ?

निर्मल कालू सोनी : जिलाध्यक्ष कांग्रेस व्यापारी प्रकोष्ठ : यही वह चेहरा है जिसके चलते पनपा विरोध।

जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएँ सुनी गईं

107 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 26 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल नायक एवं श्री एम.आर. कोल तथा एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 107 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

जनसुनवाई में खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम नवेगांव की राजनंदनी कुंभलवार आंगनवाडी सहायिका भर्ती पर लगायी गई आपत्ति को हटाये जाने की मांग लेकर आयी थी। राजनंदनी का कहना था कि उसने ग्राम नवेगांव (ख) में केंद्र क्रमांक 02 में आंगनवाडी सहायिका पद के लिये समस्त दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत किया था। अनंतिम सूची जारी होने के पश्चात उसका नाम वरीयता के अनुसार क्रमांक 01 पर था किंतु उसके नाम पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आपत्ति दर्ज करायी गई है जो कि निराधार है। राजनंदनी ने मांग की है कि आपत्ति का शीघ्र निराकरण कर भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। इस प्रकरण में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट नगरीय क्षेत्र के वार्ड नं 13 करूणा नगर के निवासी वार्ड में सडक व नाली निर्माण कराये जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि बरसात में सडको के गड्ढों में पानी भर जाने से बच्चों को स्कूल जाने तथा बुजुर्गो को आने जान कठिनाईयों का सामना करना पडता है। अतः शीघ्र वार्ड में सडक एवं नाली निर्माण का कार्य कराया जाए। इस प्रकरण में सीएमओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट नगरीय क्षेत्र के ही वार्ड नं.01 सिद्धार्थ नगर बुढी के कौशल कुमार घर के सामने रोड पर नाली व संडास का पानी जमा होने की शिकायत लेकर आये थे। कौशल का कहना था कि उसके मकान के सामने रोड पर नाली व सेपटिक टेंक का पानी पिछले 9 माह से रोड पर ईकट्ठा होकर बदबू कर रहा है। कौशल ने शीघ्र इस समस्या का निराकरण करने की मांग की है। इस प्रकरण में सीएमओ बालाघाट को कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में शासकीय प्राथमिक शाला चाचेरी के प्राथमिक शिक्षक सुरेन्द्र रंगारे स्कूल भवन की जमीन का नामांतरण एवं स्कूल की चाबी दिलाने की मांग लेकर आए थे। सुरेन्द्र का कहना था कि वर्ष 2004 में भसदेवा टोला में स्कूल भवन निर्माण के लिए शासन से 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई थी। उस समय क्षेत्र में सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण भवन निर्माण बड़ी समस्या बन गया था। सुरेंद्र ने बताया कि स्कूल भवन बनने के बाद शाला बंद हो गई, लेकिन आज तक जमीन की पट्टी एवं नामांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।

रहवासियों ने कॉलोनाइजर की शिकायत की

कहा- कॉलोनी में सड़क, पानी और बिजली की सुविधाएं नहीं, कलेक्टर ने जांच का दिया आश्वासन

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट के वार्ड क्रमांक 4 स्थित पद्मावती ले-आउट के 76 रहवासियों ने मंगलवार को जनसुनवाई में कॉलोनाइजर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। रहवासियों का आरोप है कि प्लाट बेचते समय कॉलोनी में सड़क, बिजली और पानी जैसी सुविधाएं देने का वादा किया गया था, लेकिन अब तक व्यवस्थाएं पूरी नहीं की गई। रहवासियों ने बताया कि कॉलोनाइजर धीरज ने मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन लंबे समय बाद भी कॉलोनी में जरूरी व्यवस्थाएं नहीं हो सकीं।

कॉलोनी निवासी महेश ठाकरे ने बताया कि बिजली सुविधा नहीं मिलने पर रहवासियों ने मिलकर लाखों रुपये खर्च कर बिजली के खंभे लगवाए। इसके बावजूद सड़क और पानी जैसी समस्याएं अब भी बनी हुई हैं। रहवासियों का कहना है कि कॉलोनाइजर से कई बार संपर्क किया गया, लेकिन हर बार नगर पालिका से चर्चा होने और जल्द काम शुरू कराने का भरोसा दिया जाता रहा। बरसात के मौसम में खराब सड़कों के कारण लोगों को आने-जाने में ज्यादा परेशानी होती है।

जांच का आश्वासन

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने रहवासियों को तीन दिन के भीतर कॉलोनी का निरीक्षण कर जांच कराने का आश्वासन दिया। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कॉलोनाइजर को वादे के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं। रहवासियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। इसी जनसुनवाई में लामता क्षेत्र के आदिवासी ग्रामीणों ने पैतृक संपत्ति पर अतिक्रमण की शिकायत की। लालबर्रा क्षेत्र की पांढरवानी पंचायत से आए ग्रामीणों ने तालाब का पानी बहाने का मामला उठाया।

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जप्त

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 26 मई 2026 को उप संचालक (खनिज प्रशासन) सुश्री फरहत जहां के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम द्वारा ग्राम जागपुर में जांच अभियान चलाया गया।

कार्रवाई के दौरान खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल एवं सिपाही दिलशाद कुरैशी द्वारा क्षेत्र में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की जांच की गई। जांच के दौरान तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। जप्त किए गए वाहनों में ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 50 एए 1348 शामिल है, जिसका

चालक संजय निवासी रेंगाटोला तहसील वारासिवनी बताया गया है। दूसरा ट्रैक्टर एमपी 50 एए 2807 है, जिसे प्रवेश ठाकरे निवासी ग्राम रेंगाटोला तहसील वारासिवनी चला रहा था। वहीं तीसरा महेंद्रा कंपनी का बिना नंबर का ट्रैक्टर पाया गया, जिसके चालक एवं मालिक रोहित मिश्रा पिता सुरेश मिश्रा निवासी ग्राम जागपुर तहसील वारासिवनी बताए गए हैं। खनिज विभाग द्वारा तीनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रेत सहित जप्त कर लिया गया है। इनमें से बिना नंबर वाले महेंद्रा ट्रैक्टर में तकनीकी खराबी पाए जाने और वाहन के चलने की स्थिति में नहीं होने के कारण उसे आगामी आदेश तक वाहन मालिक की सुपुर्दगी में दिया गया है। शेष दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्टर कार्यालय स्थित खनिज शाखा परिसर में रखा गया है।

खनिज विभाग ने बताया कि उक्त सभी वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों को चेतावनी देते हुए कहा है कि जिले में इस प्रकार की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बालाघाट : ट्रेन से कटी युवती की हुई शिनाख्त : माता-पिता की पहले ही हो चुकी है मौत, भाई बोला- गुमसुम रहती थी

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट में सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर जान गंवाने वाली युवती की पहचान 24 घंटे बाद हो गई है। मृतका की पहचान लक्ष्मी श्रीवास्तव के रूप में की गई है। उसका शव भटेरा और बैहर रोड रेलवे क्रॉसिंग के बीच रेलवे ट्रैक पर मिला था।

लक्ष्मी के भाई रविशंकर

श्रीवास्तव ने बताया कि उनके पिता की पांच साल पहले और मां की दो साल पहले मौत हो गई थी। वे दोनों भाई-बहन घर में साथ रहते थे। रविशंकर के अनुसार, लक्ष्मी उच्च शिक्षित थी और नौकरी के लिए प्रयासरत थी, लेकिन मां की मौत के बाद से वह गुमसुम रहने लगी थी। भाई ने बताया कि रविवार रात खाना खाने के बाद वे सो गए थे। सुबह लक्ष्मी कब घर से निकली और ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या कर ली, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। सुबह जब बहन घर पर नहीं दिखी तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। रविशंकर अपनी बहन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने कोतवाली थाना पहुंचे। वहां पुलिस ने उन्हें ट्रेन से कटी युवती की फोटो दिखाई, जिसकी पहचान उन्होंने अपनी बहन लक्ष्मी के रूप में की।

एएसआई भुनेश ठाकरे ने बताया कि सोमवार तक मृतक युवती की पहचान नहीं हो सकी थी। पहचान होने के बाद मृतका का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। युवती लक्ष्मी की ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या करने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह मां की मौत के सदमे के कारण हुआ या शिक्षित बेरोजगारी भी इसकी वजह हो सकती है। जिसके शव को कोतवाली पुलिस ने बरामद कर उसकी पतासाजी के प्रयास तेज कर दिए थे लेकिन शाम को भाई के ही बहन की गुमशुदा रिपोर्ट दर्ज की।

रमेश बिसेन को 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

बालाघाट। ग्राम गोंगलई निवासी वंश बिसेन की वैनगंगा नदी के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक के वारिस पिता रमेश बिसेन को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर रमेश बिसेन के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

गांव में घुसे तेंदुए ने टीचर पर किया हमला : कंधे पर पंजे से हुआ गहरा जख्म,

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के बिरसा क्षेत्र के जत्ताटोला गांव में एक तेंदुआ घुस आया, जिसने एक शिक्षक पर हमला कर दिया। वन विभाग और पुलिस ने पांच घंटे के अभियान के बाद तेंदुए को जंगल में खदेड़ा। इस दौरान ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। जानकारी के अनुसार, खेत में सोए तेंदुए की सूचना मिलने पर गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीण लाठियां लेकर तेंदुए को खदेड़ने के लिए खेतों की ओर बढ़ने लगे। इसी दौरान, तेंदुए को भगाने गए शिक्षक सौरभ शर्मा पर उसने हमला कर दिया। हमले में शिक्षक को नाखूनों से चोटें आई हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल

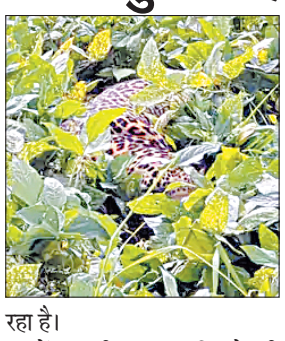

रहा है।

तेंदुए की सूचना मिलते ही परिक्षेत्र अमला गांव पहुंचा, लेकिन तब तक वहां लोगों की काफी भीड़ जमा हो चुकी थी। उत्तर सामान्य वनमंडल के बिरसा-दमोह परिक्षेत्र अधिकारी सौरभ शरणागत और वन अमले ने ग्रामीणों को पीछे हटाने का प्रयास किया, लेकिन वे डंडे लेकर भीड़ के रूप में इकट्ठा होते रहे। इसके बाद वन अमले ने बिरसा थाना को सूचना दी, जहां से पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को तेंदुए के छिपे स्थल से दूर हटाया।

परिक्षेत्र अधिकारी सौरभ शरणागत ने बताया कि तेंदुआ एक कमरे में छिपा हुआ था। पटाखे और वाहनों के शोर का उपयोग कर उसे जंगल की ओर खदेड़ा गया। यह अभियान लगभग 4 से 5 घंटे तक चला। ग्रामीणों ने बताया कि रात से ही क्षेत्र में तेंदुए की हलचल देखी जा रही थी। सौरभ शरणागत ने बताया कि तेंदुए को फिलहाल जंगल में खदेड़ दिया गया है। वन अमले को सुरक्षा के लिए क्षेत्र में गश्त पर लगाया गया है और पूरे क्षेत्र की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। ग्रामीणों को भी सावधानी बरतने और फिलहाल बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढ़रवानी की ऐतिहासिक बैठक सम्पन्न

7 जून को निर्वाचन प्रक्रिया के तहत होगा मंडल अध्यक्ष का चुनाव

लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढ़रवानी की बहुप्रतीक्षित सामूहिक बैठक 26 मई 2026 दिन मंगलवार को दोपहर 12 बजे बड़ी संख्या में सामाजिक जनों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक का आयोजन ग्राम पंचायत पनबिहरी के बाजू स्थित सभा मंच में किया गया,जहां समाज के वरिष्ठजनों,पूर्व पदाधिकारियों,युवाओं एवं महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। बैठक का मुख्य उद्देश्य मंडल अध्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर सामाजिक सहमति बनाना एवं आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को सुव्यवस्थित करना था।

बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा के पूर्व मंडल सचिव एवं समाज के वरिष्ठ नागरिक आदरणीय श्री नारायण प्रसाद बनवाले जी ने बैठक को संबोधित करते हुए आमंत्रण पत्र में उल्लेखित बिंदुओं को विस्तारपूर्वक सभी के समक्ष रखा। उन्होंने समाज में लोकतांत्रिक परंपरा,पारदर्शिता एवं संगठनात्मक एकता बनाए रखने पर विशेष बल दिया।

निर्वाचन कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा घोषित

बैठक में चुनाव कार्यक्रम की विस्तृत समय-सारिणी भी घोषित की गई जिसमें

नामांकन पत्र जमा करने की तिथि 30 मई 2026 दिन शनिवार,नाम वापसी की तिथि 1 जून 2026 दिन सोमवार,

अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन 2 जून 2026 दिन मंगलवार,

प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटन 2 जून 2026,

प्रचार-प्रसार की अंतिम तिथि6 जून 2026दिन शनिवार,मतदान तिथि 7 जून 2026 दिन रविवार

मतदान समय सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक।

तीन वर्ष पूर्व की तरह मतदान प्रक्रिया से ही होगा चुनाव

बैठक में व्यापक चर्चा के बाद सर्वसम्मति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि मंडल अध्यक्ष का चुनाव पूर्व में सम्पन्न हुई निर्वाचन प्रक्रिया की तर्ज पर ही लोकतांत्रिक मतदान पद्धति से कराया जाएगा। इसके अनुसार आगामी 7 जून 2026 दिन रविवार को मतदान के माध्यम से मंडल अध्यक्ष का निर्वाचन कराया जाएगा। निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु समाज के वरिष्ठ सदस्य नारायण प्रसाद बनवाले एवं श्री पियूष ब्रम्हें को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। दोनों ने उपस्थित जनसमूह को आश्वस्त करते हुए कहा कि चुनाव पूर्णतः निष्पक्ष,पारदर्शी एवं सामाजिक मर्यादाओं के अनुरूप सम्पन्न कराया जाएगा।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 27 मई 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

फोटो सेशन : वैनगंगा नदी में सफाई, नगर में गंदगी।

नगर पालिका के मुखिया का वैनगंगा घाट पर फोटोशूट ड्रामा!

नगर की समस्या से अनजान नगर पालिका का अज्ञानी बाबा

बूंद-बूंद पानी को तरसी जनता, नगर में पसरी गंदगी ज्ञानचंद की आँखों में नहीं दिखाई दे रही

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

कहते हैं राजनीति में चमकने के लिए जमीन पर काम करने से ज्यादा जरूरी कैमरे के सामने पोज देना होता है। कुछ ऐसा ही नजारा गंगा दशहरा के अवसर पर लखनवाड़ा वैनगंगा घाट पर देखने को मिला। जल गंगा संवर्धन अभियान के नाम पर जिले के तमाम आला अफसरों, नेताओं और नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोड़िया ने भी हाथों में फावड़ा-तगाड़ी उठाकर जमकर श्रमदान का ढोंग रचाया।

घाट पर खड़े होकर जल संरक्षण और स्वच्छता का ज्ञान बांटने वाले नगर पालिका अध्यक्ष महोदय को शायद अपने ही शहर की बदहाली नजर नहीं आती। आज सिवनी नगर की जनता बूंद-बूंद साफ पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रही है। नलों से गंदा पानी आ रहा है या फिर जल संकट के कारण लोग परेशान हैं। शहर की नालियां बजबजा रही हैं, कचरे के ढेर लगे हैं और साफ-सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। ऐसे में जनता पूछ रही है कि अध्यक्ष जी, नगर को 'नरक पालिका' बनाकर वैनगंगा घाट पर स्वच्छता का यह पाखंड क्यों?

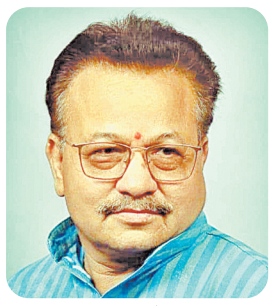

ज्ञानचंद सनोडिया
नपा अध्यक्ष : ड्रामेबाजी में आगे, विकास में फिसड्डी।

कुर्सी की राजनीति और जनता का अल्टीमेटम

शहर की सुलगती राजनीति के बीच गलियारों में यह चर्चा भी जोरों पर है कि किसी और की कुर्सी को किनारे कर, जिस पद पर आज ज्ञानचंद सनोडिया बैठा हैं, उसे बरकरार रखना इतना आसान नहीं होगा। अगर आने वाले चुनाव में दोबारा जनता का भरोसा जीतना है, तो इस फोटो सेशन वाली राजनीति को छोड़कर जनता को बुनियादी सुविधाएं जैसे साफ पानी और साफ नाली और सड़के देनी होगी। वरना जनता आने वाले चुनाव में ऐसा सबक सिखाएगी कि ये श्रमदान के दिखावे भी काम नहीं आएंगे। साथ ही वही जनता का सीधा सवाल है कि अध्यक्ष वैनगंगा में संदेश देने के बजाय सिवनी की जनता को साफ पानी कब मिलेगा?

बयानवीर बनने से नहीं, काम करने से बचेगी कुर्सी!

नगर पालिका अध्यक्ष को यह समझना होगा कि केवल तस्वीरों में मुस्कुराने और उपदेश देने से नगर स्वच्छ नहीं होगा। यदि सिवनी को सच में स्वर्ग पालिका बनाना है, तो घाटों के साथ-साथ शहर की सड़कों और वार्डों में पसरी गंदगी को मैदान में उतरकर साफ करना होगा। जनता सब देख रही है। सिर्फ फोटो सेशन से नगर की गंदी सड़के और पानी की बूंद-बूंद को तरसता नगर की समस्या का समाधान नहीं होगा।

फोटो खिंचवाने से नहीं बुझेगी प्यास

जल गंगा संवर्धन के बड़े-बड़े दावों के बीच पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे ग्रामीण, जनसुनवाई में फूटा गुस्सा

जन सुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने जताया विरोध।

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

एक तरफ जहां सरकारी तंत्र कागजों पर और सोशल मीडिया की फोटो में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विकास की नई गंगा बहा रहा है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत इस चमचमाती तस्वीर के गाल पर एक करारा तमाचा है। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर जिले की ग्राम पंचायत बिछुआ बर्रा में खूब ढोल-नगाड़े बजे। कलश यात्राएं निकाली गईं, जल स्रोतों के आसपास वीआईपी झाड़ू लगाकर साफ-सफाई का ढोंग रचा गया, पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश की मन्नतें मांगी गईं और पौधों के साथ मुस्कुराते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड कर 'वाहवाही' बटोरने का काम धड़ल्ले से किया गया। जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक अमले तक, हर कोई इस इवेंट मैनेजमेंट में अपनी पीठ थपथपाने में व्यस्त दिखा। लेकिन साहब, ये सोशल मीडिया के लाइक्स और कमेंट्स ग्रामीणों के खाली बर्तनों को नहीं भर सकते।

प्रशासन जब उत्सव मनाने और 'सब चंगा सी' का ढिंढोरा पीटने में मग्न था, ठीक उसी के समानांतर मुख्यालय के समीप ग्राम राहीवाड़ा के ग्रामीणों की जिंदगी बदरंग हो चुकी है। बीते कल कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान इस कागजी विकास की कलई उस वक्त खुल गई, जब राहीवाड़ा के आक्रोशित ग्रामीण पानी की भयंकर समस्या को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में आ धमके। ग्रामीणों के चेहरों पर तैरती बेबसी और आंखों में तैरता गुस्सा साफ बयां कर रहा था कि वे महीनों से पानी की बूंद-बूंद के लिए किस कदर जद्दोजहद कर रहे हैं। जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने तीखे और मसालेदार लहजे में प्रशासन को जमकर आड़े हाथों लिया। उनका साफ कहना था कि जब नलों में पानी ही नहीं है, तो इन बड़े-बड़े अभियानों और नारों का हम अचार डालेंगे?

गांव की महिलाओं और बुजुर्गों का गुस्सा सातवें आसमान पर था। उनका आरोप है कि सरकारी अफसर और नेता सिर्फ एसी कमरों में बैठकर जल संरक्षण का पाठ पढ़ाना जानते हैं, लेकिन जब तपती धूप में दो किलोमीटर दूर से पानी ढोना पड़ता है, तब समझ आता है कि धरातल का दर्द क्या होता है। सोशल मीडिया पर ग्रीन और क्लीन दिखने का जो चस्का प्रशासन को लगा है, वह असल मुद्दों से ध्यान भटकाने का एक जरिया मात्र बनकर रह गया है। सिर्फ पौधों को पानी देते हुए फोटो खिंचवाने और कलश यात्रा निकाल देने से जनता की प्यास नहीं बुझने वाली।

सरकार द्वारा आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान।

ग्रामीणों ने दो कड़क शब्दों में चेतावनी दी है कि अब वे इन खोखले आश्वासनों और कागजी अभियानों के बहकावे में आने वाले नहीं हैं। प्रशासन को अपनी कुंभकर्णी नींद से जागना होगा और फेसबुक-ट्विटर की दुनिया से बाहर निकलकर राहीवाड़ा जैसे गांवों की जमीनी समस्या का ठोस और त्वरित समाधान करना पड़ेगा। अगर जल्द ही पेयजल संकट को दूर नहीं किया गया, तो यह आक्रोश जनसुनवाई के कमरों से निकलकर सड़कों पर चक्काजाम के रूप में दिखाई देगा। अब देखना यह है कि सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाला प्रशासन, धरातल पर कितना एक्शन मोड में आता है।

बंडोल भाजयुमो का चंदा धंधा पार्ट-2

खाकी और आबकारी के संरक्षण में अवैध वसूली का खेल!

हिंदू सम्मेलन के नाम पर लाखों चंदा, बेरोजगारी में चमकी अध्यक्ष की किस्मत!

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेता देश और प्रदेश में जीरो टॉलरेंस और शुचिता की राजनीति का ढोल पीटते नहीं थकते, वहीं जमीनी स्तर पर बंडोल मंडल में भ्रष्टाचार और अवैध वसूली का एक ऐसा सिंडिकेट सक्रिय हो चुका है, जिसने पूरी पार्टी को शर्मसार कर दिया है। हाल ही में भाजयुमो मंडल अध्यक्ष नितिन साहू पर लगे अवैध वसूली के गंभीर आरोपों के बाद अब इस मामले की एक और चौंकाने वाली कड़ी सामने आई है। सूत्रों की मानें तो यह चंदा धंधा सिर्फ किसी एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं था, बल्कि बीते दिनों आयोजित हुए 'सकल हिंदू समाज हिंदू सम्मेलन' के नाम पर भी बड़े पैमाने पर व्यापारियों और आम जनता की जेबें ढीली कराई गई थीं।

सकल हिंदू समाज, बंडोल के बैनर तले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बंडोल में आयोजित हुए 'हिंदू सम्मेलन' को लेकर अब गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप हैं कि इस धार्मिक और सामाजिक गरिमा वाले आयोजन को भी अवैध चंदा उगाही का जरिया बना लिया गया। सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता की आड़ में व्यापारियों को डरा-धमकाकर, प्रशासनिक विभागों का खौफ दिखाकर जबरन सहयोग के नाम पर लाखों रुपये की मोटी रकम वसूली गई। आम जनता अब यह सवाल पूछ रही है कि धर्म और आस्था के नाम पर इकट्ठा किए गए इस भारी-भरकम चंदे का असली हिसाब-किताब कहाँ है? क्या यह सिर्फ आस्था का समागम था या फिर नेताओं की तिजोरियां भरने का एक सुनियोजित जरिया? इन आरोपों पर जब राष्ट्रबाण ने नितिन साहू से सवाल किया तो उन्होंने जवाब देने से इनकार कर दिया।

नए प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर की अग्निपरीक्षा, क्या चमचमाती टीम में मिलेगी वसूली भाईयों को जगह?

अब पूरे महाकौशल और प्रदेश की नजरें भाजयुमो के नए प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर पर टिकी हैं। हाल ही में बंडोल क्षेत्र में उनके आगमन को लेकर भी खाकी और आबकारी विभाग की कथित मेहरबानी से चंदा इकट्ठा करने की बातें उजागर हुई थीं। अब देखना यह होगा कि क्या नए प्रदेश अध्यक्ष इस दागदार और विवादित मंडल अध्यक्ष नितिन साहू पर कोई कड़ा अनुशासनात्मक हंटर चलाएंगे? या फिर रसूख के रंगे सियारों के आगे संगठन नतमस्तक हो जाएगा? पार्टी के भीतर ही बगावती सुर तेज हो चुके हैं। निष्ठावान कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि आगामी नई टीम के गठन में ऐसे चंदा धंधा करने वाले दागी चेहरों को दोबारा जगह दी गई, तो यह साफ हो जाएगा कि ईमानदारी की बातें सिर्फ चुनावी भाषणों तक ही सीमित हैं। क्या श्याम टेलर इस सिंडिकेट को ध्वस्त कर अपनी साख बचा पाएंगे, या फिर यह गंभीर मामला भी सत्ता के रसूख के नीचे हमेशा-हमेशा के लिए दबा दिया जाएगा? यह आने वाला समय ही बताएगा।

नितिन साहू, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष।

बेरोजगारी के दौर में अध्यक्ष गिरी से चमका निवास

बंडोल क्षेत्र के राजनीतिक गलियारों में इस बात की सबसे तीखी चर्चा है कि जो पदाधिकारी खुद को बेरोजगार बताते हैं, उनकी माली हालत अध्यक्ष की कुर्सी मिलते ही अचानक रातों-रात कैसे बदल गई? क्षेत्र के लोग दबी जुबान में कह रहे हैं कि बेरोजगारी के बावजूद सिर्फ अध्यक्ष गिरी के रसूख और रसीद कट्टे के दम पर आलीशान विकास पर निवास खड़ा कर लिया गया। जनता हैरान है कि जिस युवा नेता के पास आय का कोई ठोस जरिया नहीं है, उसके पास इतनी अकूत संपत्ति और आलीशान रहन-सहन कहाँ से आ गया? क्या यह बंडोल की जनता और व्यापारियों से की गई अवैध वसूली का ही नतीजा है?

बंडोल के युवाओं के हिस्से में क्या आया? सिर्फ 'चंदा धंधा'?

सबसे बड़ा और कड़वा सवाल यह है कि बंडोल मंडल के आम युवाओं को इस तथाकथित राजनीति से आखिर क्या उपलब्धि हासिल हुई? मंडल अध्यक्ष की कुर्सी का इस्तेमाल युवाओं के रोजगार, उनके कौशल विकास या क्षेत्र की समस्याओं को उठाने के लिए किया जाना था। लेकिन इसके विपरीत, बंडोल में भाजयुमो की राजनीति सिर्फ 'चंदा धंधा' और अधिकारियों से सांठगांठ की 'कॉकटेल राजनीति' बनकर रह गई है। निष्ठावान युवा कार्यकर्ता आज खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं और पूछ रहे हैं कि बंडोल में चंदे और धंधे की यह गंदी राजनीति आखिर कब खत्म होगी?

सिवनी में नौतपा के दूसरे दिन लोग बेहाल

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले में नौतपा के दूसरे दिन भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। सोमवार को अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सर्वाधिक तापमान रहा। न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना जताई है। भीषण गर्मी और लू के कारण मंगलवार दोपहर शहर की सड़कें और बाजार सूने नजर आए। लोग केवल आवश्यक कार्य होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग ने दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक धूप में निकलने से बचने और लू से सावधान रहने की सलाह दी है। नौतपा के दौरान सूर्य की किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ने से गर्मी का असर और तेज हो गया है। गर्मी का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी दिखाई दे रहा है।

समर कैंप में निखर रही बच्चों की प्रतिभा, मिल रहा विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शासन के निर्देशानुसार जिले के विद्यालयों में 01 मई से 01 जून 2026 तक ग्रीष्मकालीन समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों की छुट्टियों को रचनात्मक और सीखने योग्य बनाकर उनका सर्वांगीण विकास करना है। कैंप में खेल विशेषज्ञों और पीटीआई द्वारा विभिन्न मान्यता प्राप्त खेलों के प्रशिक्षण के साथ-साथ बच्चों को पेंटिंग, डांस, संगीत, योग तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। इन गतिविधियों से बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास के साथ उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है। इस समर कैंप की सुचारू व्यवस्था के लिए सिवनी, बरघाट एवं केवलारी के विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। कैंप के अंतिम दिन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 202 आवेदन प्राप्त

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रत्येक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होने वाली जिलास्तरीय जनसुनवाई प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में कुल 202 आवेदन प्राप्त हुए। आयोजित जन सुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खण्डे डायत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई से जुड़े।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में तहसील लखनादौन अंतर्गत ग्राम संगई निवासी टंकूलाल पद्रे द्वारा विद्युत पोल लगाये जाने विषयक, तहसील घंसौर अंतर्गत ग्राम कहानी निवासी राकेश राय द्वारा भूमि का सीमांकन कराये जाने विषयक, तहसील छपारा अंतर्गत वार्ड नंबर 15 निवासी सीता बाई व अन्य द्वारा आवास योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, ग्राम बिहिरिया तहसील छपारा निवासी सीताराम डहेरिया द्वारा नक्शा अभिलेख दुरूस्त किये जाने विषयक, तहसील बरघाट अंतर्गत ग्राम दुल्हापुर निवासी महादेव नागदेव द्वारा नलजल योजना में पानी दिलाये जाने विषयक, तहसील लखनादौन अंतर्गत ग्राम पिठेरा निवासी सुनील धुर्वे द्वारा खेत तालाब की राशि दिलाने आवेदन सौंपा।

पहले कुएं पर लगती है कतार, जान जोखिम में डालकर निकाल रहे पानी

सिवनी के पौड़ी गांव में गहरा जल संकट

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिला मुख्यालय से लगभग 150 किलोमीटर दूर घंसौर तहसील के पौड़ी गांव में भीषण जल संकट गहरा गया है। गर्मी के कारण ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। पानी की कमी इतनी गंभीर है कि ग्रामीण रात 2 बजे से ही पानी भरने के लिए लाइन में लग जाते हैं। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को घंटों अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। गांव में पीने के पानी का एकमात्र स्रोत एक गहरा कुआं है, जो अब ग्रामीणों की मजबूरी और खतरे का प्रतीक बन गया है। रोजाना एक युवक अपनी जान जोखिम में डालकर कुएं के भीतर उतरता है और डब्बे से पानी भरकर ऊपर खड़े ग्रामीणों तक पहुंचाता है।

कुएं का पानी गंदा और असुरक्षित होने के बावजूद ग्रामीण इसे पीने को मजबूर हैं। पानी खत्म होने पर इंतजार फिर शुरू हो जाता है। ग्रामीणों के कुएं में उतरकर पानी निकालने की मजबूरी को देखते हुए ग्राम पंचायत और पुलिस विभाग को निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। विडंबना यह है कि गांव में सरकारी नल-जल योजना होने के बावजूद गर्मी के कारण यह व्यवस्था ठप पड़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि योजनाएं केवल कागजों में हैं, जबकि जमीन पर पानी नहीं पहुंच रहा।

गांव से मात्र 5 किलोमीटर दूर नर्मदा नदी बहती है, लेकिन इसके बावजूद पौड़ी गांव तक आज तक स्थायी जल आपूर्ति नहीं हो पाई है। ग्रामीणों ने कई बार जनप्रतिनिधियों से नर्मदा जल पहुंचाने की मांग की है, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन मिले हैं। पीएचई विभाग के प्रभारी कार्यपालन यंत्री आर.के. गभने ने बताया कि पौड़ी गांव में पीएचई विभाग के कुल 10 हैंडपंप हैं, जिनमें से 7 चालू अवस्था में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह गांव जल निगम के अंतर्गत आता है और यहां पर एक योजना प्रगति पर है। पुरानी योजना साल में केवल आठ महीने ही चल पाती है। तहसीलदार अरुण भूषण दुबे का कहना है कि पंचायतों को पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक*** **संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433